वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 260 मंगलवार 10 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

@ पेज 2 पर

हमारी सरकार आयुर्वेद के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

मुख्यमंत्री ने एनआईए परिसर में नवनिर्मित ओपीडी सुश्रुत भवन का किया लोकार्पण

राजस्थान की मिट्टी में आयुर्वेद की जड़ें गहरी हैं, यहां औषधि उत्पादन की अद्भुत क्षमता

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की मिट्टी में आयुर्वेद की जड़ें गहरी हैं, यहां औषधि उत्पादन की अद्भुत क्षमता है। प्रदेश की पहाड़ी, वन, औषधीय पौधे इसके साक्षी हैं कि यहां की भूमि सदियों से आयुर्वेद का केंद्र रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आयुर्वेद के संवर्धन तथा जनमानस में उसके व्यापक उपयोग के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह में अपने उद्बोधन के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1976 में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एक महाविद्यालय के रूप में आरंभ होकर आज देश के प्रमुख डीम्ड टू बी आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित हो गया है। राजस्थान की धरती पर स्थापित इस संस्थान ने पचास वर्षों में जिस ऊंचाई, प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय नेतृत्व को प्राप्त किया है, वह प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी सेवा - इन चारों स्तंभों पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने पिछले पांच दशकों में नेतृत्व स्थापित किया है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना भारत में उपचार और भारत द्वारा उपचार है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक अलग आयुष मंत्रालय की स्थापना की गई। जिससे आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को नई ऊर्जा मिली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में अपने प्रयासों से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित कराया। इससे न केवल योग, बल्कि पूरी भारतीय चिकित्सा परंपरा को विश्व मंच पर पहचान मिली। आयुर्वेद अनुसंधान में निवेश बढ़ाया गया, आयुर्वेद संस्थानों का विस्तार किया गया।

विश्व को आयुर्वेद और योग भारत की देन : बैरवा

उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना लाकर आयुर्वेद और योग के माध्यम से आरोग्य ग्राम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व को आयुर्वेद और योग भारत की देन है। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल आयुष मिशन में वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के तहत राजस्थान को देश में सर्वाधिक 348 करोड़ रुपए आवंटित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एनआईए परिसर में नवनिर्मित ओपीडी सुश्रुत भवन का लोकार्पण किया। इससे पहले उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

देश को विश्वगुरु बनाने में आयुर्वेद-योग की प्रमुख भूमिका

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश को विश्वगुरु बनाने में आयुर्वेद और योग की प्रमुख भूमिका रही है। आयुर्वेद के माध्यम से हम यह पहले से ही जान लेते हैं कि कौन से महीने में कौन सी बीमारी होगी और उसका उपचार कैसे किया जाए। उन्होंने कहा कि वेदों के साथ हमारे ऋषियों ने आयुर्वेद के माध्यम से मानव जीवन को समझा है। चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट जी जैसे महान वैद्यों ने इस विद्या को व्यवस्थित रूप दिया। उन्होंने कहा कि चरक संहिता में कहा गया है कि स्वस्थ शरीर धर्म का प्रथम साधन है। सुश्रुत को आज पूरा विश्व शल्य चिकित्सा का जनक मानता है।

आयुर्वेद को जन-स्वास्थ्य की मुख्यधारा में आगे बढ़ाना प्राथमिकता

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्षों में आयुर्वेद के लिए नए आयुर्वेद चिकित्सालय, महाविद्यालय एवं डिस्पेंसरी की स्थापना से सुलभ चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की गई। स्नातक-स्नातकोत्तर सीटों में वृद्धि, आधुनिक लैब, इग-स्टैंडर्डाइजेशन यूनिट और शिक्षण-फार्मेसी को सुदृढ़ किया गया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद अस्पतालों का विस्तार, पंचकर्म इकाइयों का सुदृढ़ीकरण, दवाखानों का आधुनिकीकरण, शिक्षा एवं अनुसंधान के नए अवसर सहित विभिन्न निर्णयों से आयुर्वेद को जन-स्वास्थ्य की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने एनआईए के लिए जयपुर में जमीन आवंटित करने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

एनआईए की भूमिका से पीढ़ी दर पीढ़ी आयुर्वेद का दीपक प्रज्वलित

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय प्रताप राव जाधव ने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की 50 वर्ष की यह यात्रा केवल समय की गणना नहीं है, बल्कि उन असंख्य चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, और कर्मयोगियों की अटूट निष्ठा, समर्पण और तपस्या का प्रतीक है, जिन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी आयुर्वेद के दीपक को प्रज्वलित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों की असंतुलित जीवनशैली के कारण मधुमेह, विटामिन बी 12 एवं डी की कमी जैसी अनेक बीमारियां पनप रही हैं।

2nd चेतन प्रताप मेमोरियल रैपिड ओपन चेस टूर्नामेंट 2026 का भव्य शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

शतरंज के खेल को प्रोत्साहन देने एवं युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित '2nd चेतन प्रताप मेमोरियल रैपिड ओपन चेस टूर्नामेंट 2026' का शुभारंभ आज गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर श्री जिनेश कुमार जैन ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती मधु मोदी (कन्वीनर, एस.एस. जैन सुबोध कॉमर्स एंड आर्ट्स कॉलेज) एवं विशिष्ट अतिथि श्री विजय प्रताप सिंह द्वारा शतरंज की बिसात पर 'प्रतीकात्मक मूव' चलकर किया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुल 105 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 32 अंतरराष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी भी शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री श्रीमती एकता अग्रवाल ने टूर्नामेंट स्थल का भ्रमण कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शतरंज को युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया और भविष्य में भी आयोजकों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। जयपुर जिला शतरंज संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री विक्रम सिंह ने बताया कि गोल्ड मेडलिस्ट श्रेयांशी जैन एवं तीशा ब्याडवाल की सहभागिता ने इस आयोजन के स्तर को और अधिक गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता 08 फरवरी 2026 को एस.एस. जैन सुबोध कॉमर्स एंड आर्ट्स कॉलेज, रामबाग, जयपुर में आयोजित की जा रही है। इसका संचालन जयपुर चेस अकादमी द्वारा किया जा रहा है, जिसे JDCA की आधिकारिक मान्यता प्राप्त है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रवि शर्मा, श्री अजय प्रताप सिंह, श्री सूर्य प्रताप सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि, अभिभावक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन श्री जिनेश कुमार जैन द्वारा किया गया।

हर मास एक उपवास ही सर्व बीमारियों का इलाज है: आचार्य प्रसन्न सागर

महोत्सव में कैलाश छाबड़ा को 'समाज सारथी' की उपाधि से किया गया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

'दुनिया के लगभग हर धर्म और संस्कृति में उपवास को ईश्वर से जुड़ने और आत्म-नियंत्रण पाने का सशक्त माध्यम माना गया है। हमारी इंद्रियाँ अक्सर बाहरी सुखों और स्वाद की ओर भागती हैं, लेकिन उपवास के माध्यम से हम अपनी सबसे प्रबल इच्छा–भूख–पर विजय प्राप्त करना सीखते हैं।' ये उद्गार अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने शनिवार को ईपी (एंटरटेनमेंट पैराडाइज) के सेंट्रल लॉन में आयोजित 'मास-एक उपवास' कार्यक्रम में व्यक्त किए।

मंगलाचरण के साथ धर्मसभा का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने अध्यक्षता की, जबकि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं हूमड़ परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा और कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि संघस्थ प्रवर्तक मुनि श्री सहज सागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें धर्म का वास्तविक मर्म समझना चाहिए। उन्होंने स्वाध्याय पर जोर देते हुए कहा कि विकृतियों को त्यागें और इस अमूल्य मानव जीवन को सफल बनाने के लिए पुण्य अर्जन करें। महीने में एक उपवास न केवल स्वास्थ्य के लिए, बल्कि आत्मा की शुद्धि के लिए भी अनिवार्य है। आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने 7 दिवसीय 'चारित्र शुद्धि महामण्डल विधान' की सफलता के लिए समिति के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा और कोषाध्यक्ष कैलाश चंद छाबड़ा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विशेष रूप से, गुरु भक्त कैलाश छाबड़ा (महारानी फार्म, जयपुर) की सेवाओं को देखते हुए उन्हें 'समाज सारथी' की उपाधि और अनंत आशीर्वाद प्रदान किया गया। अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस 'हर माह एक उपवास' कार्यक्रम में द्वितीय सामूहिक उपवास एवं प्रासंगिक कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। यह आयोजन आचार्य प्रसन्न सागर जी एवं योग ऋषि बाबा रामदेव की पावन प्रेरणा से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन बा. ब्र. तरुण भैया ने किया और समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ।

राजपूत महासभा का 27वां सामूहिक विवाह, सादगी और संस्कारों का होगा अनूठा संगम

40 जोड़े लेंगे सात फेरे; निःशुल्क आयोजन में समाज के गणमान्य बनेंगे साक्षी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजपूत महासभा संस्थान (उदयपुर संभाग) द्वारा आयोजित 27वां सामूहिक विवाह समारोह कल, 10 फरवरी को सूरजपोल स्थित फतह स्कूल ग्राउंड में आयोजित होगा। इस भव्य आयोजन में 40 जोड़े वैदिक रीति-रिवाज और पूर्ण विधि-विधान के साथ परिणय सूत्र में बंधेंगे। मुख्य समारोह से पूर्व आज (9 फरवरी) को होटल देव दर्शन में वर-वधुओं के लिए महिला संगीत, हल्दी और मेहंदी की रस्में उत्साहपूर्वक आयोजित की गईं। महासभा अध्यक्ष संत सिंह भाटी ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह आयोजन पूरी तरह निःशुल्क है। सामाजिक आदर्श स्थापित करते हुए वर-वधु पक्ष से मात्र एक-एक रुपये की शगुन राशि ली गई है। 10 फरवरी को सुबह 9 बजे टाउन हॉल से एक भव्य शोभायात्रा (बारात) निकाली जाएगी। इसमें 40 घोड़े, 10 बग्घियां और बैंड-बाजे शामिल होंगे। यह बारात सूरजपोल होते हुए फतह स्कूल मैदान पहुंचेगी। कार्यक्रम स्थल पर 40 भव्य मंडप सजाए गए हैं, जहाँ 40 विद्वान पंडित एक साथ वैवाहिक संस्कार संपन्न करवाएंगे। महासचिव प्रदीप सिंह भाटी के अनुसार, इस अवसर पर समाज की प्रतिभाओं और सहयोगियों के लिए विभूति सम्मान, समाज गौरव, भामाशाह एवं क्षत्रिय-क्षत्राणी सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। सचिव हितेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मेहमानों के आवास के लिए होटल देव दर्शन एवं वासुपूज्य जैन धर्मशाला में विशेष व्यवस्था की गई है। सुरक्षा, पार्किंग और सुचारू भोजन व्यवस्था के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है ताकि आगंतुकों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

पथभ्रष्ट युवा पीढ़ी, जला रही संस्कारों की होली

लेखकः विजय कुमार जैन, राघौगढ़ (म.प्र.)

व्यक्ति के जीवन में संस्कारों का बड़ा महत्व होता है और इन संस्कारों की प्रथम पाठशाला 'मां' होती है। कहा जाता है कि कुम्हार मिट्टी को जैसा आकार देता है, वैसा ही घड़ा बन जाता है। दुनिया में जितने भी महापुरुष हुए हैं, वे संस्कारों की सीढ़ी चढ़कर ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल हुए। संस्कारों से ही संस्कृति की रक्षा होती है, किंतु वर्तमान में माता-पिता बच्चों को संस्कारित करने के प्रति उतने जागरूक नहीं हैं।

पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण और भौतिक चकाचौंध में बहकर आज की युवा पीढ़ी अपने मूल्यों को भूलकर पतन की ओर अग्रसर है। हालांकि, इस पतन के लिए केवल युवाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता; बच्चों में कुसंस्कारों के लिए कहीं न कहीं हम भी उत्तरदायी हैं। बालक को गर्भावस्था से ही मां से संस्कार मिलने लगते हैं, जैसे महान योद्धा अभिमन्यु ने चक्रव्यूह भेदने की शिक्षा माता के गर्भ में ही प्राप्त की थी।

संस्कारों से ही चरित्र का निर्माण होता है और उज्ज्वल चरित्र वाला व्यक्ति ही पूजनीय होता है। यदि हम 50 वर्ष पीछे मुड़कर देखें, तो माता-पिता जन्म के साथ ही बच्चों को अच्छे संस्कार देकर उन्हें सफल जीवन की ओर अग्रसर करते थे। उस समय बालक-बालिकाओं की दैनिक गतिविधियों पर परिवार की पैनी नजर रहती थी।

वर्तमान में युवा पीढ़ी में जो संस्कारविहीनता आई है, उसके परिणाम हमारे सामने हैं—जैसे नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, क्लबों में नाइट-आउट पार्टियां, भ्रूण हत्या, विवाह-पूर्व फिल्मांकन, मोबाइल की लत के कारण अवसाद और आत्महत्या, लिव-इन रिलेशनशिप और वृद्ध माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजने की मजबूरी। आज युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रशासनिक और तकनीकी पदों पर आसीन हो रहे हैं, विदेश जाने की होड़ मची है, लेकिन मूलभूत संस्कार पीछे छूट रहे हैं। आधुनिक संचार क्रांति—फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और इंटरनेट—के जितने लाभ हैं, उससे कहीं अधिक इनका दुरुपयोग हो रहा है। प्रातःकाल देव-दर्शन, जल छानकर पीना और रात्रि भोजन का त्याग जैसे आचरण अब केवल परिवार के बुजुर्गों तक सीमित रह गए हैं। हम अपने 'कुलाचार' को भूल चुके हैं, जो हमें दुराचार से बचाता था। हमारे मुनिराज और संत निरंतर युवा पीढ़ी को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे रहे हैं।

क्रांतिकारी राष्ट्रसंत मुनि तरुण सागर जी महाराज ने युवाओं को तीन संकल्प दिलाए थे- आत्महत्या न करना, माता-पिता का सम्मान करना और देश प्रेम की भावना रखना।

आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज ने आह्वान किया था कि माता-पिता की सेवा के लिए युवाओं को विदेश जाने के बजाय स्वदेश में रहकर कार्य करना चाहिए।

मुनि सुधासागर जी महाराज का स्पष्ट मत है कि बच्चों को संस्कारहीन बनाने में वे माता-पिता दोषी हैं जो बचपन में ही बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा देते हैं।

मुनि चंद्रप्रभ जी महाराज कहते हैं कि जिस परिवार में माता-पिता का सम्मान नहीं, वह मरघट के समान है।

मुनि प्रमाण सागर जी महाराज के अनुसार, यदि चरित्र उज्ज्वल नहीं है, तो धन-संपदा व्यर्थ है।

ऐलक सिद्धांत सागर जी महाराज देश भर में 'संस्कार मेले' लगाकर युवाओं को नई दिशा दे रहे हैं।

विडंबना यह है कि जब तक संत प्रवास पर रहते हैं, युवा उनके संकल्पों (जैसे मंदिर में मर्यादित वस्त्र पहनना) का पालन करते हैं, लेकिन उनके विहार करते ही पुनः आधुनिकता की अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं। प्राचीन काल में कुल की मयार्दा और पहनावे पर विशेष ध्यान दिया जाता था।

अंततः, समाज को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा। यदि युवा पीढ़ी संस्कारविहीन होगी, तो समाज और देश की संस्कृति की रक्षा कैसे संभव होगी? हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना ही होगा।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग, 'वैलेंटाइन वीक' थीम पर सेवा और स्नेह का संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक बैठक आज होटल 'मसाला ट्रेल' में 'वैलेंटाइन वीक स्पेशल' थीम पर अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित की गई। क्लब अध्यक्ष ला. सुजाता स्वर्णकार ने जनवरी माह में किए गए सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रान्तपाल द्वारा निर्देशित 'विशेष पोषण पर्व सप्ताह', लोहड़ी, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस पर सदस्यों द्वारा किए गए विशेष अनुदान एवं सक्रिय सहभागिता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। साथ ही, भविष्य में भी इसी एकजुटता के साथ सेवा कार्य जारी रखने का आह्वान किया। क्लब फाउंडर ला. महादेवी आर्य ने सभी महिला सदस्यों के सेवा जज्बे की सराहना की और समाज हित में निरंतर सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। मीटिंग का माहौल तब और भी खुशनुमा हो गया जब सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से प्रेम गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे वातावरण 'फाल्गुनी बयार' की तरह आनंदमय हो गया। इस अवसर पर 'वैलेंटाइन स्पेशल हाउजी' का आयोजन किया गया और क्लब की दो सदस्यों का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बैठक का समापन सुरुचिपूर्ण और स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ।

हसमुख जैन गांधी एवं अमित कासलीवाल 'शाश्वत ट्रस्ट सम्मेद शिखरजी' के ट्रस्टी मनोनीत

इंदौर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर ट्रस्ट द्वारा अपने संगठनात्मक ढांचे को सशक्त बनाने तथा तीर्थ के संरक्षण व विकास कार्यों को नई गति देने के उद्देश्य से दो प्रतिष्ठित समाजसेवियों को ट्रस्टी पद पर नियुक्त किया गया है।

सम्मेद शिखरजी में आयोजित ट्रस्ट मंडल की महत्वपूर्ण बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, श्री हसमुख जैन गांधी एवं श्री अमित कुमार कासलीवाल (इंदौर) को आगामी तीन वर्ष की अवधि के लिए ट्रस्ट के न्यासी (ट्रस्टी) के रूप में मनोनीत किया गया है।

ट्रस्ट की अपेक्षाएं और विश्वासः ट्रस्ट प्रबंधन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में यह विश्वास व्यक्त किया गया है कि नव-नियुक्त ट्रस्टीगण अपने अनुभव, समर्पण एवं संगठनात्मक क्षमता के माध्यम से ट्रस्ट के कार्यों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। उनके मार्गदर्शन में:

तीर्थराज सम्मेद शिखरजी की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार होगा।

तीर्थ की धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा।

ट्रस्ट का परिचयः श्री दिगंबर जैन शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर ट्रस्ट जैन समाज की एक प्रमुख एवं प्रतिष्ठित संस्था है, जो तीर्थ की शाश्वतता, पवित्रता और धार्मिक गरिमा की रक्षा हेतु निरंतर समर्पित है। ट्रस्ट द्वारा तीर्थ संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं धर्म-प्रचार के विविध प्रकल्प संचालित किए जाते हैं।

हर्ष की लहरः श्री हसमुख जैन गांधी एवं श्री अमित कुमार कासलीवाल की इस नियुक्ति पर जैन समाज के गणमान्यजनों, विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं श्रद्धालुओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

परिदृश्य

कौशल चेतना का महाकुंभ

विनोद कुमार सिंह

भारत केवल एक भू-खंड मात्र नहीं, बल्कि निरंतर परिवर्तनशील चेतना है। वर्तमान में जब विश्व चौथी औद्योगिक क्रांति, कृत्रिम मेधा और डिजिटल अर्थव्यवस्था के युग में है, तब भारत के समक्ष सबसे बड़ा प्रश्न अवसंरचना से अधिक युवाओं के कौशल और नवाचार का है। इसी विमर्श के उत्तर की खोज में दिल्ली के ऐतिहासिक राजघाट स्थित गांधी सत्याग्रह सभागार में आयोजित 'स्किल लीडर्स कॉन्क्लेव एवं कौशल मेला-2026' का साक्षी बनना सुखद रहा। यह आयोजन 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक वैचारिक घोषणा-पत्र के रूप में दृष्टिगोचर हुआ। यह महाकुंभ देश के प्रथम राजकीय कौशल विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (पलवल) द्वारा दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय तथा असम स्किल यूनिवर्सिटी के समन्वय से आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने उद्घाटन सत्र में स्पष्ट किया कि कौशल और नवाचार ही भारत के विकास दर्शन की नई परिभाषा हैं। राजघाट के समीप गांधी सत्याग्रह सभागार में इस विमर्श का आयोजन प्रतीकात्मक रूप से भी अर्थपूर्ण था, क्योंकि गांधीजी का स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का विचार आज कौशल-आधारित भारत के रूप में पुनर्जीवित हो रहा है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय भारतीय उच्च शिक्षा में एक मौन क्रांति का प्रतीक है। इसने औपनिवेशिक अकादमिक मॉडल को त्यागकर 'करके सीखने' (लर्निंग बाय डूइंग) की अवधारणा को संस्थागत रूप दिया है। यहाँ विद्यार्थी केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि उद्योगों, कार्यशालाओं और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के बीच प्रत्यक्ष अनुभव से सीखते हैं। वर्तमान में यहाँ इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि और उद्यमिता सहित तीस से अधिक उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय की सफलता के आँकड़े उत्साहजनक हैं। लगभग 35 से 40 प्रतिशत विद्यार्थी ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं।

संपादकीय

वैश्विक व्यापार समझौतों का स्वर्णिम युग

वर्तमान में दुनिया की बदलती आर्थिक व्यवस्था का झुकाव स्पष्ट रूप से भारत की ओर दिखाई दे रहा है। हाल ही में 5 फरवरी 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में रेखांकित किया कि वैश्विक परिदृश्य अब भारत के पक्ष में मुड़ चुका है। यह भारत के बढ़ते आर्थिक कद का ही परिणाम है कि जो देश कभी भारत पर अवसर गंवाने की टिप्पणी करते थे, वे अब भारत के साथ जुड़ने को बेताब हैं। प्रधानमंत्री के अनुसार, तेज विकास

दर और महंगाई पर नियंत्रण का दुर्लभ संयोग भारत को दुनिया का सबसे आकर्षक बाजार बना रहा है। भारत के मजबूत बुनियादी ढांचे, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की गति और डिजिटल विनिर्माण क्षेत्र की ताकत ने विकसित देशों को मुक्त व्यापार समझौतों के लिए प्रेरित किया है। हाल ही में अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौते भारतीय युवाओं और उद्यमियों के लिए समृद्धि के नए द्वार खोलेंगे। 2 फरवरी 2026 को प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता के बाद एक अंतरिम व्यापार समझौते ने अंतिम आकार लिया है। यह समझौता खाद्य, कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत के हितों को सुरक्षित करता है। इसके तहत 7 फरवरी 2026 से अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, रूस से तेल खरीद के कारण लगाए गए अतिरिक्त दंडात्मक शुल्कों को पूरी तरह हटा लिया गया है। यह कदम 'भारत में बनाओ' और 'भारत में अभिकल्पना करो' अभियानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। दूसरी ओर, 27 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन के दौरान ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा की गई। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ऊर्सला वान डेर लायन ने इसे 'सभी व्यापार समझौतों की जननी' करार दिया। उनके अनुसार, यह समझौता वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग एक-चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाला एक साझा बाजार तैयार करेगा। 2007 से लंबित यह वार्ता अब जाकर तार्किक अंजाम तक पहुंची है। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक रहा। भारत प्रमुखतः श्रम-प्रधान वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि यूरोपीय संघ उन्नत तकनीक और औद्योगिक उत्पादों की आपूर्ति करता है। यह पूरकता दोनों को एक-दूसरे का आदर्श साझेदार बनाती है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक यूरोपीय संघ ने भारत में लगभग 117.4 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया है, जो इस भरोसे को और पुख्ता करता है। यह समझौता केवल माल के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों, शोधकर्ताओं और कुशल पेशेवरों की आवाजाही को भी सुगम बनाता है। इसके तहत दोनों पक्ष 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क को समाप्त या न्यूनतम कर देंगे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का एक साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक अनिवार्य कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल उदरपूर्ति की नहीं है, बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के गहरे सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक विषयवस्तु (थीम) 'विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि ये छोटे बीज किस तरह वैश्विक समस्याओं के समाधान बनकर उभर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 2018 में घोषित और 2019 से निरंतर मनाया जा रहा यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना चुका है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए 'अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष' से मिली थी, जिसने पहली बार यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, बल्कि पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में ये भोजन की रीढ़ रहे हैं। पोषण विज्ञान ने अब यह सिद्ध कर दिया है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनमें मौजूद फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जस्ता (जिंक), फोलेट और मैग्नीशियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए अनिवार्य बनाते हैं। कम वसा और कम 'ग्लाइसेमिक इंडेक्स' के कारण ये आधुनिक जीवनशैली की बीमारियों के विरुद्ध एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच प्रदान करती हैं। पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है और इनका 'कार्बन फुटप्रिंट' भी न्यूनतम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को 'जलवायु-अनुकूल' और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प हैं। भारत के संदर्भ में इस दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यहाँ की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल व्यंजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य और सादगी के प्रतीक रहे हैं। विशेषकर शाकाहारी आबादी के लिए दालें प्रोटीन का सबसे सस्ता और सुलभ स्रोत हैं, जो कुपोषण से लड़ने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। यह दिवस किसानों के लिए भी नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। दलहन आधारित फसल चक्र अपनाने से न केवल मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरता है, बल्कि किसानों की लागत कम होती है और आय में स्थिरता आती है। उपभोक्ताओं के लिए यह अपने भोजन विकल्पों पर पुनर्विचार करने और अधिक स्थानीय व पोषण-संपन्न आहार की ओर लौटने का आह्वान है। यदि नीति-निमार्ता, किसान और उपभोक्ता मिलकर दलहनों को प्राथमिकता दें, तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था तीनों को एक साथ मजबूती मिल सकती है।

मेलों में मौत के झूले: खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

लेखकः डॉ० प्रियंका सौरभ

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ.एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आखिरी प्राथमिकता बन चुकी है। मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें–सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से 'चलने दो' कहकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ कागजों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ ह्लमैनेजह्व कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है–ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन–लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती? यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं–कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है–जाँच के आदेश, मुआवजे की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक। सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है? प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ. ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है। असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को ह्लअतिरिक्त खर्चह्व समझा जाता है और मुनाफे को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग। दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवजे की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवजा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए 'लक आजमाने' की जगह बन चुके हैं–जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है। सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है। अब जरूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य हो और जरा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए। सबसे अहम बात–हादसे की स्थिति में सिर्फ. मुआवजा नहीं, बल्कि अपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए। आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँदे रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं। लेकिन जब खुशी के टिकट पर ज़िंदगी बिकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि यह सिर्फ. हादसा नहीं, एक अपराध है–और उस अपराध की ज़िम्मेदारी तय करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

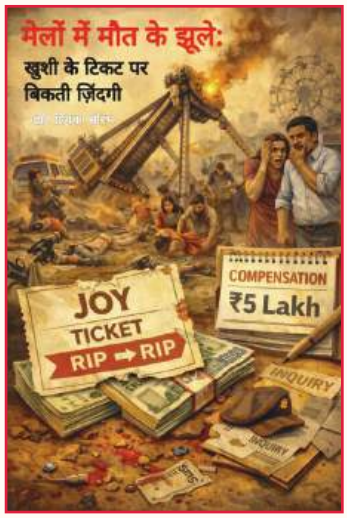

भगवान सुपार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक एवं भगवान चंद्रप्रभ केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

सप्तम तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर आज श्री दिगंबर जैन मंदिर चंद्रप्रभजी, दुगार्पुरा में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ निर्वाण लाडू भेंट किया।

आयोजन की मुख्य झलकियाँ

निर्वाण लाडू अर्पण: प्रातः काल श्रद्धालुओं ने अष्ट द्रव्य से पूजन करते हुए 'निर्वाण कांड' भाषा का सामूहिक उच्चारण किया और भगवान सुपार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक के प्रतीक स्वरूप सामूहिक 'निर्वाण लाडू' चढ़ाया।

दोहरा उत्सव: मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चंद चांदवाड़ एवं मंत्री राजेंद्र काला ने बताया कि आज भगवान सुपार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक के साथ-साथ आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभ जी का केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान चंद्रप्रभ जी की विशेष पूजा-अर्चना की।

आर्यिका श्री सरस्वती माताजी का विहार कार्यक्रम: ट्रस्ट के उपाध्यक्ष नरेश बाकलीवाल ने जानकारी दी कि गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी ससंघ का दुगार्पुरा मंदिर से पदमपुरा जी की ओर मंगल विहार आज दोपहर 2:00 बजे हुआ। संघ का आगामी प्रवास कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा:

09 फरवरी: संघ का आहार एवं प्रवास प्रतापनगर सेक्टर-8 में होगा। दोपहर 2:00 बजे यहाँ से बीलवा के लिए विहार होगा।

10 फरवरी: बीलवा में संघ का आहार होगा। तत्पश्चात दोपहर में बीलवा से विहार कर सायं 5:00 बजे अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में संघ का मंगल प्रवेश होगा।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु एवं समाज के गणमान्य जन उपस्थित रहे।

बचपन पर मंडराता संकट और सोशल मीडिया पर लगाम की तैयारी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
(गोंदिया, महाराष्ट्र)

प्रस्तावनाः सभ्यता और तकनीक का टकराव वैश्विक स्तर पर मानव सभ्यता ने हजारों वर्षों में जिन मूल्यों, सामाजिक रिश्तों और विश्वास की संरचनाओं को गढ़ा है, वे आज डिजिटल तकनीक की अभूतपूर्व गति से बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं। सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग ने संवाद, मनोरंजन और सूचना के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। यह परिवर्तन अपने आप में न तो पूरी तरह नकारात्मक है और न ही सकारात्मक, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब समाज–विशेषकर बच्चे–इस बदलाव के मनोवैज्ञानिक, नैतिक और सामाजिक प्रभावों के लिए तैयार नहीं होते।

भारतीय संदर्भ और सामाजिक ताना-बाना भारत जैसे देश में, जहां आध्यात्मिक परंपरा, पारिवारिक मूल्य और सामाजिक सहभागिता जीवन की आत्मा रहे हैं, वहां डिजिटल प्लेटफॉर्म का अनियंत्रित प्रभाव एक गंभीर चेतावनी है। सोशल मीडिया ने जहां एक ओर जोड़ने का माध्यम दिया है, वहीं दूसरी ओर गलत सूचना, घृणा, तुलना और आभासी प्रतिस्पर्धा के जरिए सामाजिक ताने-बाने को कमजोर भी किया है। 'आर्थिक सर्वेक्षण 2026' में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के सामाजिक प्रभावों पर चिंता जताना इस बात का संकेत है कि अब यह विषय केवल नैतिक बहस का नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ी की सुरक्षा से जुड़ा नीतिगत प्रश्न बन चुका है।

गाजियाबाद सुसाइडः एक निर्णायक 'ट्रिगर पॉइंट' गाजियाबाद में सोशल मीडिया की लत और ऑनलाइन गेमिंग के दबाव के कारण तीन सगी बहनों द्वारा आत्महत्या की हृदयविदारक घटना देश के नीति-निमार्ताओं के लिए 'ट्रिगर पॉइंट' बन गई है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सचिव के अनुसार, सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम आयु सीमा तय करने का मुद्दा अब सरकार की सक्रिय समीक्षा के दायरे में है। सरकार विभिन्न हितधारकों से परामर्श कर रही है ताकि बच्चों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम बनाया जा सके।

मनोरंजन से मानसिक दबाव तक की घातक यात्रा आज का बच्चा एक ऐसे परिवेश में बड़ा

हो रहा है जहाँ स्क्रीन उसकी 'पहली खिड़की' बन चुकी है। ऑनलाइन गेमिंग अब केवल समय बिताने का साधन नहीं, बल्कि बच्चों की आत्म-छवि को आकार देने लगी है। 'टास्क-आधारित' गेम्स बच्चों को लगातार नए लक्ष्य और चुनौतियां देते हैं, जो धीरे-धीरे मानसिक दबाव में बदल जाते हैं। हार का डर और आभासी दुनिया की स्वीकृति वास्तविक जीवन से अधिक महत्वपूर्ण होने लगती है, जिससे आत्म-सम्मान और भावनात्मक संतुलन बिगड़ जाता है।

वैश्विक मिसालः ऑस्ट्रेलिया का साहसी कदम इसी खतरे को समझते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दो माह पूर्व एक ऐतिहासिक कदम उठाया। वहां 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। यह निर्णय पूरी दुनिया में एक नई बहस को जन्म दे चुका है कि क्या बच्चों की सुरक्षा के लिए डिजिटल स्वतंत्रता को सीमित करना अब अनिवार्य हो गया है। भारत भी इस मॉडल का बारीकी से आकलन कर रहा है।

समाधान की दिशाः सामूहिक उत्तरदायित्व केवल सरकारी नीतियों या पूर्ण प्रतिबंध से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता हैः

कंपनियों की जिम्मेदारीः सोशल मीडिया और गेमिंग कंपनियों को केवल 'मुनाफे' के बजाय 'नैतिकता' को प्राथमिकता देनी होगी। एल्गोरिदम ऐसा हो जो लत न लगाए।

अभिभावकों की भूमिकाः माता-पिता पहली और सबसे मजबूत सुरक्षा दीवार हैं। बच्चों के साथ 'खुलकर संवाद' और उनके डिजिटल व्यवहार पर नजर रखना आज की अनिवार्य आवश्यकता है।

शैक्षणिक संस्थानः स्कूलों में डिजिटल एडिक्शन पर काउंसलिंग और जागरूकता कार्यक्रम अनिवार्य होने चाहिए। बच्चों को पुनः खेल, कला और सामाजिक गतिविधियों की ओर मोड़ना होगा।

निष्कर्षः संतुलन ही एकमात्र विकल्प डिजिटल युग को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन उसे विवेक और संवेदनशीलता के साथ अपनाना होगा। सवाल यह नहीं है कि तकनीक रहे या न रहे, बल्कि यह है कि तकनीक किसके नियंत्रण में और किस उद्देश्य से रहे। यदि आज संतुलित और साहसी निर्णय नहीं लिए गए, तो इसकी भारी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ सकती है।

णमोकार पाठ एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व शांति एवं जैन धर्म की प्रभावना के उद्देश्य से श्री रवि राँवका के निवास स्थान पर णमोकार पाठ एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। इस भक्तिमयी संध्या में आदिनाथ ग्रुप के सुरेश जैन (मालपुरा वाले), राकेश जैन, निमेश्वर जैन, हिमांशु जैन, गौरव जैन और जितेंद्र जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान सभी श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए और सामूहिक रूप से प्रभु का गुणगान किया। णमोकार महामंत्र के पाठ से वातावरण अत्यंत शुद्ध और आध्यात्मिक हो गया।

'एक शाम तेजाजी के नाम' कवि सम्मेलनः वीर तेजाजी के बलिदान और भक्ति की बही धारा

जयपुर/देवली. शाबाश इंडिया

तहसील के मालेड़ा ग्राम पंचायत स्थित बड़ला गाँव में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से तेजाजी महाराज मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। 'एक शाम तेजाजी के नाम' शीर्षक से आयोजित इस सम्मेलन का संयोजन एवं कुशल संचालन प्रसिद्ध कवि योगेश योगिराज द्वारा किया गया। कवि सम्मेलन की शुरूआत गुढ़ा भिनाय से आईं कवयित्री लाड़ली लाड ने मधुर सरस्वती वंदना से की। इसके पश्चात शक्करगढ़ के कवि आशीष राज ने 'लागी लगन' राजस्थानी गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बीगोद के कवि नवीन जैन 'नव' ने तेजाजी की महिमा का बखान करते हुए अपनी पंक्तियों से समां बांध दियाः

'नागदेव को दिया वचन लौटकर निभाया है, सबसे अलग उनका बलिदान है।'

हास्य, व्यंग्य और सामयिक कविताओं की प्रस्तुतिः

मनीष सुखवालः संस्कार व संस्कृति से जुड़े हास्य व्यंग्य के जरिए जनता को खूब गुदगुदाया।

मुकेश महाकालः बंगाल में हुई हिंसा पर अपनी वीर रस की कविताओं से श्रोताओं में जोश भर दिया।

मनीष राज बादलः वीर तेजाजी के चरित्र पर मार्मिक गीत पढ़कर सबको भावविभोर कर दिया।

प्रभु प्रभाकरः अपने सधे हुए छंदों से खूब वाहवाही लूटी।

मोहन पुरीः 'थारो म्हारो गाँव' गीत के माध्यम से आधुनिकता के ढोंग पर करारी चोट की।

बेटियों के सशक्तिकरण का संदेशः कार्यक्रम के संचालक योगेश योगिराज ने बेटियों पर कविता पढ़ते हुए उन्हें सशक्त होकर मुश्किलों का सामना करने की प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए कहाः

'अभी इस उम्र में तो किताबों से मोहब्बत कीजिए।'

देर रात तक चले इस सफल कवि सम्मेलन का समापन स्थानीय सरपंच द्वारा सभी कवियों और आगंतुकों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

श्री सम्मेद शिखरजी में 154वां निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर संपन्न

'सुप्रभात महिला मंडल' के सौजन्य से 88 मरीजों का हुआ सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन

मधुबन (सम्मेद शिखरजी). शाबाश इंडिया

शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी में जैन युवा संगठन, कोलकाता द्वारा संचालित 'श्री दिगंबर जैन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर' में गत शनिवार, 07 फरवरी 2026 को 154वें निःशुल्क नेत्र चिकित्सा (मोतियाबिंद) शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 88 व्यक्तियों के आंखों का सफल ऑपरेशन किया गया। यह शिविर 'सुप्रभात महिला मंडल', उत्तर हावड़ा (कोलकाता) के सौजन्य से आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों, वरिष्ठ नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराना था। शिविर के सफल संचालन में जैन युवा संगठन, कोलकाता के सदस्यों के साथ-साथ सुरेश गंगवाल, राजेश अजमेरा और रत्नेश जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सुप्रभात महिला मंडल की ओर से प्रमिला विनायका, कनक पांडया, शशि कासलीवाल, शांति गंगवाल, त्रिशला बडजात्या, संगीता बडजात्या, प्रेम पाटनी, नीलम बगड़ा, शर्मिला काला, अलका जैन, बीना अजमेरा, बीना गोदा, चम्पी जैन और सुषमा जैन ने अपनी सक्रिय सेवाएं देकर शिविर को सफल बनाया।

श्री सुपार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष एवं श्री चंद्रप्रभ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित श्री पद्मप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में आज सप्तम तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक एवं अष्टम तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने जानकारी दी कि महोत्सव का शुभारंभ प्रातः भगवान शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ के अभिषेक के साथ हुआ। इसके पश्चात लक्ष्मीकांत जैन, विनय कुमार जैन और राजेंद्र सोगानी ने विधि-विधान से शांतिधारा संपन्न की। निर्वाण कांड के पाठ के उपरांत भगवान सुपार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के प्रतीक स्वरूप सामूहिक रूप से 'निर्वाण लाडू' चढ़ाया गया। श्री चंद्रप्रभ भगवान के ज्ञान कल्याणक पर विशेष अर्घ्य समर्पित किए गए।

भक्तिमय सांस्कृतिक वातावरण: पूजा-अर्चना के दौरान महिलाओं ने बधाई गीतों के साथ भक्ति नृत्य कर वातावरण को धर्ममय बना दिया। बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर पूजन किया और अर्घ्य समर्पित कर पुण्य अर्जन किया। इस पावन अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों सहित अनेक धमार्लुजन उपस्थित थे।

वैश्य महासम्मेलन द्वारा जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

समाज सेवा के संकल्प के साथ पदाधिकारियों और युवाओं ने किया रक्तदान

भिंड (सोनल जैन). शाबाश इंडिया

वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की जिला इकाई, युवा इकाई एवं महिला इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आज, 8 फरवरी 2026 को जिला चिकित्सालय भिंड में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शुभारंभ और मुख्य अतिथि: शिविर का विधिवत शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. जे.एस. यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री श्री ओमप्रकाश अग्रवाल 'बाबूजी', जिला प्रभारी श्री कैलाश वर्मा, जिला अध्यक्ष श्री रामकुमार गुप्ता और कार्यकारी अध्यक्ष श्री ऋषि जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रक्तदान में उत्साह: शिविर में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए श्री अमित अग्रवाल, श्री शिवकुमार रावत, श्री ऋषि जैन, श्री सत्येंद्र सिंह, श्री आजाद सिंह कुशवाह, श्री अमित जैन, श्रीमती सीमा गुप्ता, कुमारी स्तुति जैन एवं श्रीमती ज्योति जैन ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

उपस्थित गणमान्य जन: कार्यक्रम में युवा इकाई के अध्यक्ष श्री शशिकांत जैन, महिला इकाई की जिला कार्यकारी अध्यक्ष

श्रीमती ज्योति जैन, उपाध्यक्ष श्याम मोहन श्रीवास्तव, कैलाश नारायण नगरिया, विनय कुमार जैन सराफ, वरिष्ठ महामंत्री श्री दिनेश जैन, महामंत्री श्री सत्येंद्र गुप्ता शिवहरे, कोषाध्यक्ष श्री रामकुमार गुप्ता, मंत्री श्री अमित जैन 'पत्तल वाले', युवा इकाई कोषाध्यक्ष श्री विकास सोनी और श्रीमती सीमा गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आभार प्रदर्शन: रक्तदान शिविर के सफल आयोजन पर जिला अध्यक्ष श्री रामकुमार गुप्ता ने जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.एस. यादव, सिविल सर्जन डॉ. आर.एन. राजोरिया, मेडिकल स्टाफ एवं वैश्य महासम्मेलन के सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

39वें निःशुल्क हड्डी रोग जाँच शिविर में 68 मरीज हुए लाभान्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल, कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी (स्व. कमल कुमार जैन पांड्या) के सौजन्य से 39वां निःशुल्क हड्डी एवं जोड़ रोग जाँच शिविर आयोजित किया गया। राजकीय चिकित्सालय के पास स्थित अरिहंत हेल्थ केयर सेंटर पर आयोजित इस शिविर में राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर के प्रसिद्ध घुटना व जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन ने अपनी सेवाएँ दीं।

शिविर का शुभारंभ: शिविर का विधिवत शुभारंभ दानदाता वीर कैलाश चंद्र जैन पांड्या, प्रोजेक्ट कन्वीनर वीर सुभाष पहाड़िया, संयोजक वीर संदीप पांड्या, वीर सुभाष गंगवाल, वीर बलराम प्रधान, सचिव वीर अजीत पहाड़िया, वीर नंदकिशोर बिडसर और डॉ. जितेश जैन ने किया।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में भारी उत्साह: संस्था के वीर नरेश जैन और वीर तेजकुमार बड़जात्या ने बताया कि शिविर में कुचामन शहर सहित डेगाना, नावां, बासा, सबलपुर और मकराना जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के 68 लोग लाभान्वित हुए। शिविर के दौरानः
36 एक्सरे निःशुल्क किए गए। 33 रक्त संबंधी जाँचें निःशुल्क की गईं। डॉ. जितेश जैन ने सभी मरीजों का परीक्षण कर उचित परामर्श दिया।

सेवा कार्यों की सराहना: सुरेश गंगवाल और सुरेंद्र सिंह दीपपुरा ने बताया कि महानगर की ख्याति प्राप्त चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर मिलने से मरीजों को काफी राहत मिली। इस पुनीत कार्य के लिए लालचंद जैन, कैलाश शेखराजका, मुकेश मूंदड़ा और प्रमोद अग्रवाल ने संस्था के सेवा कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और साधुवाद दिया।
शिविर को सफल बनाने में बोदू कुमावत, जितेंद्र, कंचन चौधरी और सुरजीत वैष्णव का सराहनीय सहयोग रहा। अंत में वीर सुभाष पहाड़िया ने सभी सहयोगियों एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

पिड़ावा में जैन संतों की चरण छत्री प्रतिष्ठा व चरण स्थापना कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक संपन्न

नगर में निकली भव्य शोभायात्रा; मुनिश्री के सानिध्य में हुआ 'श्रमण विहार समिति' का गठन

पिड़ावा (सौरभ जैन). शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज, पिड़ावा के तत्वावधान में रविवार को जैन संतों की चरण छत्री प्रतिष्ठा एवं चरण स्थापना का भव्य धार्मिक कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई और 'ब्रह्मानंद सागर नसियां सूरजकुंड' में सामूहिक पूजन अनुष्ठान आयोजित हुए। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल अभिषेक, शांतिधारा और 64 ऋद्धि मंडल विधान के साथ हुआ। मुनि 108 श्री मुनि सागर जी महाराज एवं ऐलक 105 श्री मंथन सागर जी महाराज के पावन सानिध्य तथा पं. कल्याण मल जैन (कोटा) व पं. राजकुमार जैन के कुशल निर्देशन में सभी धार्मिक क्रियाएं मंत्रोच्चार के साथ विधिवत संपन्न कराई गईं। नसियांजी में हाल ही में (11 जनवरी 2026 को) यम सल्लेखना पूर्वक समाधिस्थ हुए मुनि 108 श्री मुक्ति सागर जी महाराज सहित पूर्व में समाधिस्थ रहे अजित सागर महाराज, मानतुंग सागर महाराज, बाहुबली सागर महाराज, संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज, आचार्य विराग सागर, उपाध्याय ज्ञेय सागर, मुनि भूतबली सागर, मौन सागर और विमल सागर महाराज की चरण छत्रियों का निर्माण एवं स्थापना की गई। प्रातः 8:30 बजे भव्य शोभायात्रा श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र (बड़ा मंदिर) से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में संतों के चरणों को दो सुसज्जित बग्गियों में विराजमान कर बैंड-बाजों के साथ नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा पिपली चौक, शहर मोहल्ला, सेठान मोहल्ला, खांडुपुरा और नयापुरा होते हुए नसियांजी पहुँची। इसमें पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्रों में तथा महिलाएं केसरिया व मंडल की साड़ियों में श्रद्धा भाव के साथ सम्मिलित हुईं। ब्रह्मानंद सागर नसियां में मुनिश्री की मंगल देशना हुई। उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर 11 महान संतों के चरण स्थापित होने से क्षेत्र की महिमा बढ़ेगी और निरंतर गुणानुवाद होता रहेगा। उन्होंने युवाओं को 'श्रमण विहार समिति' के गठन का संदेश देते हुए संतों के आहार-विहार में सक्रिय सहयोग की प्रेरणा दी। चरण स्थापना का सौभाग्य विभिन्न परिवारों एवं मंडलों को प्राप्त हुआः
आचार्य विद्यासागर महाराजः निर्मला जैन/नेमीचंद प्रेमी परिवार। मुनि भूतबली सागर महाराजः जिनवाणी महिला मंडल। आचार्य विराग सागर महाराजः चातुर्मास अध्यक्ष बबलू चौधरी। विमल सागर महाराजः महिला मंडल, नयापुरा। बाहुबली सागर महाराजः खांडुपुरा महिला मंडल। कार्यक्रम के पश्चात सकल दिगंबर जैन समाज एवं बाहर से पधारे श्रद्धालुओं के लिए सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया।

महल योजना जैन मंदिर में भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

महल योजना स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में आज सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्ति और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान: समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि इस पावन अवसर पर मंदिर जी में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर में भगवान का अभिषेक और शांतिधारा की गई। विशेष रूप से पाठशाला के नन्हे बच्चों द्वारा की गई सामूहिक पूजन ने सभी का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ 'निर्वाण लाडू' चढ़ाकर अपनी गहरी आस्था प्रकट की।

ऐतिहासिक महत्व: उल्लेखनीय है कि भगवान सुपार्श्वनाथ ने शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखरजी के प्रभास कूट से फाल्गुन शुक्ल सप्तमी के दिन मोक्ष प्राप्त किया था। इसी स्मृति में प्रतिवर्ष यह महोत्सव मनाया जाता है।

भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ में भगवान सुपार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक 'निर्वाण लाडू' चढ़ाया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्ति भाव से सराबोर हो गया।

प्रमुख अनुष्ठान: संगठन मंत्री सुनील जैन गंगवाल ने बताया कि पूजन की शुरूआत भगवान के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुई, जिसके बाद समाज के लोगों ने सामूहिक पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष जे.के. जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला एवं कोषाध्यक्ष हेमेन्द्र सेठी ने भी विशेष पूजा में भाग लिया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति: कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सरोज-श्रीपाल जैन, साक्षी पाटनी, सर्वेश-राकेश जैन, पुनीत, समर, हर्षिका, इशिका सेठी, मनीष जैन और अजय-मोना जैन उपस्थित रहे। साथ ही समाज के संतोष कासलीवाल, अशोक जैन, विनोद जैन, दिनेश जैन, अक्षय जैन, सुधीर बोहरा तथा अन्य गणमान्य जनों ने भक्तिभाव के साथ धर्म लाभ लिया।

श्री शिव पुराण कथा महोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित वीटी रोड मेला ग्राउंड पर जयपुर परिवार सेवा ट्रस्ट के बैनर तले आगामी 20 से 26 मार्च तक आयोजित होने वाली श्री शिव पुराण कथा एवं श्री महामृत्युंजय रुद्र महायज्ञ की तैयारियों को लेकर आज अरावली मार्ग स्थित कार्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में आयोजन को ऐतिहासिक बनाने पर मंथन किया गया और विभिन्न समितियों का गठन कर कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। समिति के मुख्य व्यवस्थापक अखिलेश अत्री ने बताया कि बैठक के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों ने आयोजन से जुड़े अपने-अपने सुझाव रखे। सभी ने एक स्वर में इस बात पर जोर दिया कि कथा का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर पर किया जाए, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु कथा का रसपान कर सकें। साथ ही, कथा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पुख्ता व्यवस्था करने और 'कोटि यजमानों' की संख्या को लेकर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अत्री ने जानकारी दी कि मुख्य आयोजन से पूर्व 15 मार्च को ऐतिहासिक कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसकी तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। इस बार कलश यात्रा में लगभग 11 हजार महिलाओं के सम्मिलित होने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में संरक्षक एस.एन. बेरीवाल, मुख्य यजमान घनश्याम रावत, संयोजक जुगल डेरे वाले, प्रभु अग्रवाल, यज्ञ संयोजक गोकुल माहेश्वरी, मनोज पाण्डे, दिनेश शर्मा, योगेश खण्डेलवाल, मनोज मुरारका, राकेश कूलवाल, नरेंद्र कुमार हर्ष, गिरधर दुसाद, कैलाश बड़ाया, तरुण दधीचि, अनिल शर्मा (एडवोकेट), सत्यनारायण झालानी एवं रमेश गुर्जर सहित अनेक कार्यकर्ता व धर्मप्रेमी मौजूद रहे।

सच्चे मित्र मिलना दुर्लभ, जग में मित्रता हो तो कृष्ण-सुदामा जैसी: संत दिग्विजयराम महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। 'वर्तमान में सच्चे मित्र मिलना दुर्लभ है, जग में मित्रता हो तो कृष्ण-सुदामा जैसी होनी चाहिए। सुदामा के चरणों का कांटा भगवान ने अपने कर-कमलों से निकाला। संसार तो मित्रता की आड़ में कांटे चुभाता है, लेकिन उन कांटों को निकालने का कार्य भगवान गोविंद करते हैं।' ये विचार चित्तौड़गढ़ रामद्वारा के रामस्नेही संत एवं प्रखर वक्ता श्री दिग्विजय रामजी महाराज ने व्यक्त किए। वे रविवार को अग्रवाल उत्सव भवन में स्व. श्रीमती गीतादेवी तोषनीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ से संबोधित कर रहे थे। भावनापूर्ण रहा सुदामा चरित्र का प्रसंग: कथा के सातवें दिन सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष प्रसंग का वाचन किया गया। जब सजीव झांकियों के माध्यम से दरिद्र सुदामा का द्वारिकाधीश कृष्ण से मिलन और भगवान द्वारा अश्रुओं से सुदामा के चरण धोने का दृश्य साकार हुआ, तो पूरा पंडाल 'कृष्ण-सुदामा' के जयकारों से गूंज उठा। 'अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो...' जैसे भजनों ने माहौल को भावुक कर दिया। महाराज श्री ने बताया कि कैसे नारायण ने मोहिनी रूप धरकर भस्मासुर का अंत किया। उन्होंने संदेश दिया कि अंतर्मन से प्रभु स्मरण करने से लोक और परलोक दोनों सुधर जाते हैं। शुकदेव मुनि द्वारा राजा परीक्षित के मोक्ष के वर्णन के साथ कथा को विश्राम दिया गया। पंचकुण्डीय श्री विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति: कथा के साथ चल रहे सात दिवसीय महामंगलकारी पंचकुण्डीय श्री विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति भी रविवार को हुई। पंडित गौरीशंकर शास्त्री एवं वैदिक विद्वानों के आचार्यत्व में आयोजित इस यज्ञ में प्रतिदिन 25 जोड़ों ने आहुतियां दीं। सात दिनों में कुल 1.60 लाख आहुतियां देकर सर्व मंगल एवं सुख-शांति की कामना की गई। इससे पूर्व शनिवार रात्रि को नैनौराधाम के डॉ. मिथिलेश नागर के मुखारबिंद से भव्य सुंदरकांड पाठ किया गया, जिसमें संकटमोचन हनुमानजी की भक्ति में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कथा के प्रारंभ में मुख्य यजमान तोषनीवाल परिवार द्वारा व्यासपीठ का पूजन किया गया। आयोजक परिवार के रामस्वरूप तोषनीवाल, दीपक तोषनीवाल एवं शुभम तोषनीवाल ने सभी का आभार जताया। मंच संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया। ठाकुर श्री चारभुजा का मनभावन श्रृंगार भी भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

विहसंत सागर तीर्थधाम के नव निर्माण के लिए 15 मार्च को होगा भव्य भूमि शिलान्यास

आगरा. शाबाश इंडिया। जैतपुरा उदी मोड़, इटावा (उ.प्र.) स्थित प्रस्तावित विहसंत सागर तीर्थधाम के नव निर्माण हेतु 15 मार्च, रविवार प्रातः 9 बजे भव्य भूमि शिलान्यास समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम श्री विहसंत सागर चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सम्पन्न होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर विधिवत शिलान्यास करेंगे। आगरा के सेक्टर-7, बोदला स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित प्रेस वार्ता में मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर मुनिराज ने बताया कि यह तीर्थधाम साधु-संतों के ध्यान, तप, अध्ययन एवं आत्मकल्याण का प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र बनेगा। लगभग 4 बीघा भूमि पर विकसित इस परिसर में 12 निर्माण कार्यों का शिलान्यास होगा। यहां भगवान मल्लिनाथ की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी तथा 1800 वर्ष प्राचीन भगवान आदिनाथ की दुर्लभ प्रतिमा की प्रतिष्ठा भी की जाएगी। 41 फीट ऊंचा मानस्तंभ सहित मंदिर, संत भवन, गौशाला, अस्पताल, गुरुकुल, संग्रहालय और मेडिटेशन टेंपल जैसे प्रकल्प विकसित होंगे। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के प्रति जैन समाज में उत्साह का वातावरण है।

नारायणा स्कूल में हृदय रोग चिकित्सा शिविर संपन्नः 120 मरीजों को मिला निशुल्क परामर्श

ग्वालियर/अंबाह. शाबाश इंडिया

माथुर वैश्य इंटरनेशनल लश्कर क्लब एवं राजरानी सोशल फाउंडेशन (द हार्ट केयर सेंटर) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 8 फरवरी को आनंद नगर स्थित नारायणा ई-टेक्नो स्कूल में विशाल हृदय रोग निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्वालियर के प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष चौहान ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए 120 से अधिक मरीजों का निशुल्क परीक्षण व उपचार किया। निशुल्क जांच और परामर्श शिविर के दौरान मरीजों की ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी और लिपिड प्रोफाइल जैसी महत्वपूर्ण जांचें निशुल्क की गईं। डॉ. चौहान ने मरीजों को खानपान में सावधानी और नियमित व्यायाम के माध्यम से हृदय रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया। गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति कार्यक्रम में भाजपा कोटेश्वर महादेव मंडल अध्यक्ष प्रमोद (चिंटू) परमार, उपाध्यक्ष राजेश शर्मा और अवधेश तोमर विशेष रूप से उपस्थित रहे। माथुर वैश्य इंटरनेशनल के पूर्व गवर्नर एस.एन. गुप्ता, द्वितीय वाइस गवर्नर राजकुमार गुप्ता, पंकज गुप्ता सहित विजय, अनूप, वैशांत, सौरभ और वेद प्रकाश गुप्ता ने भी सहभागिता की। सामूहिक सहयोग से सफलता शिविर की सफलता में आनंद नगर सेवा समिति के अध्यक्ष पी.एन. खंडेलवाल, कैलाश सिंह तोमर, कपिल शर्मा और नारायणा स्कूल की प्रिंसिपल निधि कुलकर्णी सहित पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा। शिविर संयोजक शिव नारायण गुप्ता एवं क्लब सचिव विनीत कुमार गुप्ता ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। **सेवा से आत्म-संतोषः** राकेश गुप्ता क्लब अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने बताया कि निःस्वार्थ भाव से किए गए सेवा कार्य न केवल समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, बल्कि आंतरिक प्रसन्नता भी प्रदान करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी समाजहित में ऐसे स्वास्थ्य शिविर निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा 57वां सामाजिक सहायता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा प्रतिमाह आयोजित किए जाने वाले सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार, 8 फरवरी 2026 को प्रातः 8:30 बजे दुगार्पुरा गौशाला में 57वां चारा वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान गौमाता को गाजर, हरा चारा, गुड़, लड्डू एवं रोटी खिलाई गई। इस अवसर के पुण्यार्जक संस्थापक सदस्य श्री अजीत जी एवं श्रीमती सुनीता जी पाटौदी रहे। सामाजिक कार्यक्रम के संयोजक श्री रवि प्रकाश जैन ने पुण्यार्जक परिवार का स्वागत एवं अभिनंदन किया। ग्रुप के अध्यक्ष श्री सुशील कासलीवाल एवं सचिव श्री विनीत जैन ने जानकारी दी कि यह सेवा कार्य निरंतर प्रत्येक माह आयोजित किया जा रहा है तथा समाज के सदस्य उत्साहपूर्वक सहभागिता निभा रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष श्री सुनील गंगवाल सहित पाटौदी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री अजीत पाटौदी ने प्रत्येक वर्ष मई माह के कार्यक्रम के पुण्यार्जक बनने की घोषणा की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

धुलियान में तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ का मोक्ष और चन्द्रप्रभ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव संपन्न

धुलियान (मुर्शिदाबाद), पश्चिम बंगाल। स्थानीय श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में रविवार, 8 फरवरी 2026 (फाल्गुन कृष्ण सप्तमी) को भक्ति और उत्साह का संगम देखने को मिला। इस पावन अवसर पर सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का निर्वाण (मोक्ष) कल्याणक और आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अभिषेक और शांतिधारा से हुआ शुभारंभ कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातः काल भगवान के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। मंत्रोच्चार के बीच भक्तों ने देवाधिदेव तीनलोक के नाथ का पूजन-अर्चन किया। शांतिधारा के दौरान समूचे वातावरण में धर्म की प्रभावना व्याप्त हो गई। निर्वाण लाडू और अर्घ्य समर्पण मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं ने भगवान सुपार्श्वनाथ के चरणों में 'निर्वाण लाडू' अर्पित किया। इसके पश्चात, आठवें तीर्थंकर चन्द्रप्रभ भगवान के ज्ञान कल्याणक के अवसर पर विशेष पूजा की गई और उत्साहपूर्वक अर्घ्य चढ़ाया गया। भक्तिमय रहा माहौल संजय बड़जात्या ने जानकारी दी कि इस धार्मिक अनुष्ठान में धुलियान जैन समाज के बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और युवा शामिल हुए। सामूहिक आरती और भजनों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। अंत में सभी ने विश्व शांति की मंगल कामना की।

सिटी पार्क में महकीं गुलाब की 300 किस्में; 'दिलीप कुमार' बना किंग ऑफ द शो

जयपुर. शाबाश इंडिया

दी रोज सोसायटी ऑफ राजस्थान की ओर से मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में आयोजित दो दिवसीय '51वीं अखिल राजस्थान गुलाब प्रदर्शनी' रविवार, 8 फरवरी को पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुई। अंतरराष्ट्रीय गुलाब दिवस के अवसर पर आयोजित इस प्रदर्शनी में राजस्थान भर से आईं गुलाब की लगभग 300 प्रजातियों ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विजेताओं की रही धूम प्रतियोगिता के परिणामों में 'दिलीप कुमार' प्रजाति को 'किंग ऑफ द शो' का खिताब मिला। वहीं, जयपुर विकास प्राधिकरण सचिव को 'क्वीन ऑफ द शो' और पीडब्ल्यूडी-कोटा को 'प्रिंस ऑफ द शो' के पुरस्कार से नवाजा गया। मुख्य सचिव ने की सराहना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोसायटी के चेयरमैन एवं मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास थे, जबकि अध्यक्षता राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष पवन अरोड़ा ने की। मुख्य सचिव ने कहा कि जयपुर को 'गुलाबों का शहर' बनाने की दिशा में यह प्रदर्शनी एक मील का पत्थर है। सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी अनिल कुमार भार्गव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सहभागिता और गतिविधियाँ इस आयोजन में हाउसिंग बोर्ड, जेडीए, नगर निगम, पर्यटन विभाग और हॉर्टिकल्चर विभाग सहित कई सरकारी व अर्ध-सरकारी संस्थानों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को विभिन्न श्रेणियों में कुल 43 ट्रॉफियां और 200 पुरस्कार वितरित किए गए। प्रचार संयोजक राजकुमार बैद और समन्वयक भारत भूषण जैन ने बताया कि समापन अवसर पर 500 गुलाब के पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। आकाश-दर्शन और सांस्कृतिक रंग गुलाबों की महक के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शक्तिशाली दूरबीन के माध्यम से आकाश-दर्शन कराया गया, जहाँ लोगों ने बृहस्पति ग्रह के चंद्रमाओं का अवलोकन किया। बच्चों के लिए मिकी माउस, झूले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ नाइट्रोजन शो का भी आयोजन हुआ। **विशेष अतिथि:** समारोह में प्रमुख सचिव देबाशीष पृष्टी, जेडीए कमिश्नर सिद्धार्थ महाजन, सचिव वी. श्रवण कुमार, गोपाल सिंह शेखावत, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल,

डॉ. अशोक चौधरी और आरसीडीएफ एमडी श्रुति भारद्वाज सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचवटी नगर, थर्मल बस्ती में भव्य शोभायात्रा के साथ विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

कोटा. शाबाश इंडिया

हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला के अंतर्गत कुन्हाड़ी स्थित पंचवटी नगर, थर्मल बस्ती में विराट हिंदू सम्मेलन एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक ऊर्जा के साथ हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। आयोजक दिनेश सुईवाल ने बताया कि सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों एवं समाजबंधुओं ने सहभागिता निभाई। विशेष रूप से हजारों महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया। उनके हाथों में प्रेरणादायक संदेशों से युक्त तख्तियां थीं, जिनमें हिंदू एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां प्रमुख आकर्षण रहीं, जिनमें राम दरबार, भारत माता एवं अन्य धार्मिक स्वरूपों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया। अखाड़ों की प्रस्तुतियों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। गणेश नवयुवक मंडल का प्रमुख अखाड़ा विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पूरा वातावरण भगवामय और भक्तिमय बना रहा। सम्मेलन के अंत में मुख्य वक्ता महेश गौतम ने संबोधित किया, वहीं आरती परिहार ने मातृशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन समिति अध्यक्ष सुरेश पारेता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा ''हृदय सुरक्षा प्रोजेक्ट'' के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वजवाना में जीवन रक्षक टैबलेट किट का वितरण किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य गोवर्धन सिंह राव ने की, जबकि गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया मुख्य अतिथि रहे। संस्था के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया ने बढ़ती हृदयाघात की घटनाओं के संदर्भ में प्राथमिक उपचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जीवन रक्षक टैबलेट किट की उपयोगिता समझाई। उन्होंने बताया कि सीने में दर्द अथवा हृदयाघात की आशंका की स्थिति में किट में उपलब्ध एस्पिरिन 150 मि.ग्रा., सोर्बिट्रेट 10 मि.ग्रा. तथा अटॉर्वेस्टेटिन 80 मि.ग्रा. रोगी को अस्पताल पहुंचने तक महत्वपूर्ण सहायक उपचार प्रदान कर सकती हैं। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं शुलभा कोठारी, सुमित्रा जैन, मनीषा भट्ट, एल.एन. दवे, सीता शर्मा सहित अन्य गुरुजनों ने संस्था की इस स्वास्थ्य पहल का स्वागत किया। इससे पूर्व कार्यवाहक प्रधानाचार्य प्रभुलाल भगोरा ने पदाधिकारियों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में कुल 31 जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित की गईं। उपस्थित शिक्षकों ने मानव सेवा के प्रति संस्था के समर्पण की सराहना की।

वर्णी ग्राम हंसेरा में नशा मुक्ति अभियान प्रारंभ, 200 विद्यार्थियों को गर्म बनियान वितरित

वर्णी ग्राम हंसेरा. शाबाश इंडिया। वर्णी संस्थान विकास सभा एवं जनकल्याण समिति के तत्वावधान में वर्णी जी की जन्मस्थली को नशा एवं व्यसन मुक्त ग्राम बनाने के उद्देश्य से नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरूआत प्राथमिक शाला हंसेरा के विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों द्वारा बैनर-पोस्टर और नशा विरोधी नारों के साथ स्कूल से वर्णी जन्मभूमि स्मारक तक रैली निकालकर की गई। स्मारक परिसर में दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण एवं स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद जैन (एलआईसी) ने की। ग्राम प्रधान छत्रपाल सिंह मुख्य अतिथि रहे, जबकि अरुण चंदेरिया (क्षेत्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन मिलन क्षेत्र 10), डी.के. सराफ (मड़ावरा) एवं राजेंद्र जैन (शिक्षक, सागर) विशिष्ट अतिथि रहे। संस्था परिचय एवं स्वागत भाषण महामंत्री कैलाश जैन टीला ने दिया तथा संचालन मनीष विद्यार्थी ने किया। कार्यक्रम के दौरान 200 छात्र-छात्राओं को गर्म बनियान वितरित की गईं। वक्ताओं ने तंबाकू, गुटखा एवं शराब के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने नशा त्यागने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। अंत में ग्राम प्रधान ने आभार व्यक्त करते हुए अभियान को निरंतर जारी रखने की अपील की।

वातावरण को स्वच्छ रखना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी : एसपी दीपक सहारण

ऐलनाबाद (रमेश भार्गव)। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण के निदेर्शानुसार सिरसा पुलिस द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। अभियान के तहत पुलिस लाइन परिसर, पुलिस कार्यालयों, विभिन्न थाना-चौकियों तथा आसपास के क्षेत्रों में श्रमदान के माध्यम से व्यापक साफ-सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य न केवल पुलिस परिसरों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाना था, बल्कि समाज को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। पुलिसकर्मियों ने थाना परिसरों में उगी अनावश्यक घास एवं झाड़ियों को हटाया तथा लंबे समय से पड़े कचरे का निस्तारण किया। इस सामूहिक प्रयास से परिसरों की सुंदरता में वृद्धि हुई और कर्मचारियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। एसपी दीपक सहारण ने पुलिसकर्मियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता से पर्यावरण शुद्ध होने के साथ मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। उन्होंने कहा, ''श्रमदान महादान है'' और स्वच्छता प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कार्यस्थलों को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए तथा आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण कर स्वच्छता अभियान में भागीदारी की अपील की। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की।

पदमपुरा में उमड़ा आस्था का सैलाबः तीन परंपराओं के आचार्यों के मिलन से बना अद्भुत संयोग

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में सोमवार को दिगंबर जैन समाज के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा गया। आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज के शिष्य आचार्य प्रज्ञा सागर जी एवं अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज के संघों का मंगल मिलन वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस त्रिवेणी संगम के दर्शनों के लिए हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जेसीबी से हुई पुष्पवर्षा, गाजे-बाजे से अगवानी मीडिया संयोजक विनोद जैन कोटखावदा एवं विमल पाटनी जौंला ने बताया कि दोनों आचार्य संघों के आगमन पर श्रद्धालुओं ने जेसीबी (खउइ) से पुष्प वर्षा कर गगनभेदी जयकारों के साथ स्वागत किया। आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी एवं पदमपुरा कमेटी ने संघों की अगवानी की। पदमप्रभु जिनालय में दर्शन के पश्चात दोनों गुरुभाइयों (आचार्य प्रज्ञा व प्रसन्न सागर) ने आचार्य वर्धमान सागर जी के चरणों में वंदना की। तीन परंपराओं का ऐतिहासिक मिलन हितेश छाबड़ा के अनुसार, धर्मसभा में दिगंबर जैन धर्म की तीन प्रमुख परंपराओं का अनूठा संगम हुआः

प्रथमाचार्य शांति सागर जी परंपराः आचार्य वर्धमान सागर जी।

आचार्य आदि सागर जी (अंकलीकर) परंपराः आचार्य प्रज्ञा सागर व आचार्य प्रसन्न सागर जी।

आचार्य शांति सागर जी (छाणी) परंपराः आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी।

आचार्यों के मार्मिक संस्मरण धर्मसभा में आचार्य प्रसन्न सागर जी ने अपने और आचार्य प्रज्ञा सागर जी के ब्रह्मचारी अवस्था के संस्मरण साझा किए। क्रांतिकारी संत तरुण सागर जी महाराज की स्मृति में दोनों गुरुभाई भावुक हो उठे। आचार्य प्रज्ञा सागर जी ने बताया कि 12 वर्ष पूर्व दाहोद में उनका मिलन हुआ था। उन्होंने कहा कि तप और ज्ञान से जब 'प्रज्ञा' (बुद्धि) जागृत होती है और मन 'प्रसन्न' होता है, तभी जीवन 'वर्धमान' (उन्नत) बनता है। आचार्य वर्धमान सागर जी के आशीर्वचन आचार्य वर्धमान सागर जी ने अपने उपदेश में कहा, साधु का लक्ष्य साधना से प्रसन्नता प्राप्त करना है। हम सब साधना का लक्ष्य लेकर ही संयमी बने हैं। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया कि वर्ष 1990 में जब उन्हें आचार्य पद प्राप्त हुआ था, तब ये दोनों मुनि युवा अवस्था में थे। उन्होंने यह भी साझा किया कि उन्होंने अपने दादा गुरु आचार्य विमल सागर जी से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लिया था।

आगामी विहारः मंगल मिलन के दौरान निवाई जैन समाज के श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर संघ को निवाई आगमन का निमंत्रण दिया। प्रवक्ता विमल पाटनी और राकेश संधी ने बताया कि इस महामिलन ने समाज में वात्सल्य और एकता की नई अलख जगाई है।

राजस्थान संगीत संस्थान में 'नई किरण नशा मुक्ति' अभियानः सखा-सखी किट का हुआ वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान संगीत संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत 'नई किरण नशा मुक्ति' जागरूकता अभियान का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और समाज में जागरूकता फैलाना रहा। नशा मुक्ति का संकल्प महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दिलीप गोयल की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि और एनएसएस जयपुर के एसएलओ डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने नशा मुक्ति अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे भविष्य को अंधकारमय बना देता है। 'रागायन' कार्यशाला का आयोजन सांस्कृतिक सृजना कार्यक्रम के तहत संगीत की बारीकियों से रूबरू कराने के लिए एक विशेष कार्यशाला (वर्कशॉप) आयोजित की गई। इसमें श्री रोहित कटारिया और डॉ. आकांक्षा दवे कटारिया ने 'रागायनः राग और गायकी के विभिन्न आयाम' विषय पर व्याख्यान व प्रदर्शन किया, जिससे विद्यार्थी लाभान्वित हुए। उत्कृष्ट स्वयंसेवकों का सम्मान कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 चयनित 'सखा-सखी' स्वयंसेवकों को अतिरिक्त निदेशक (एडी) श्री आलोक श्रीवास्तव द्वारा किट वितरित किए गए। मंच संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सहायक आचार्य डॉ. ममता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय संकाय सदस्य प्रो. गौरव जैन, डॉ. कविता सक्सेना, डॉ. वंदना खुराना और डॉ. साक्षी शर्मा सहित एनएसएस स्वयंसेवक माही, साक्षी शर्मा, कुमकुम जयपाल, सुमित ढींगड़ा, तेजस्विनी माली, मुस्कान वर्मा, तृप्ति राज और देवेंद्र पारीक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को अल्पाहार दिया गया।

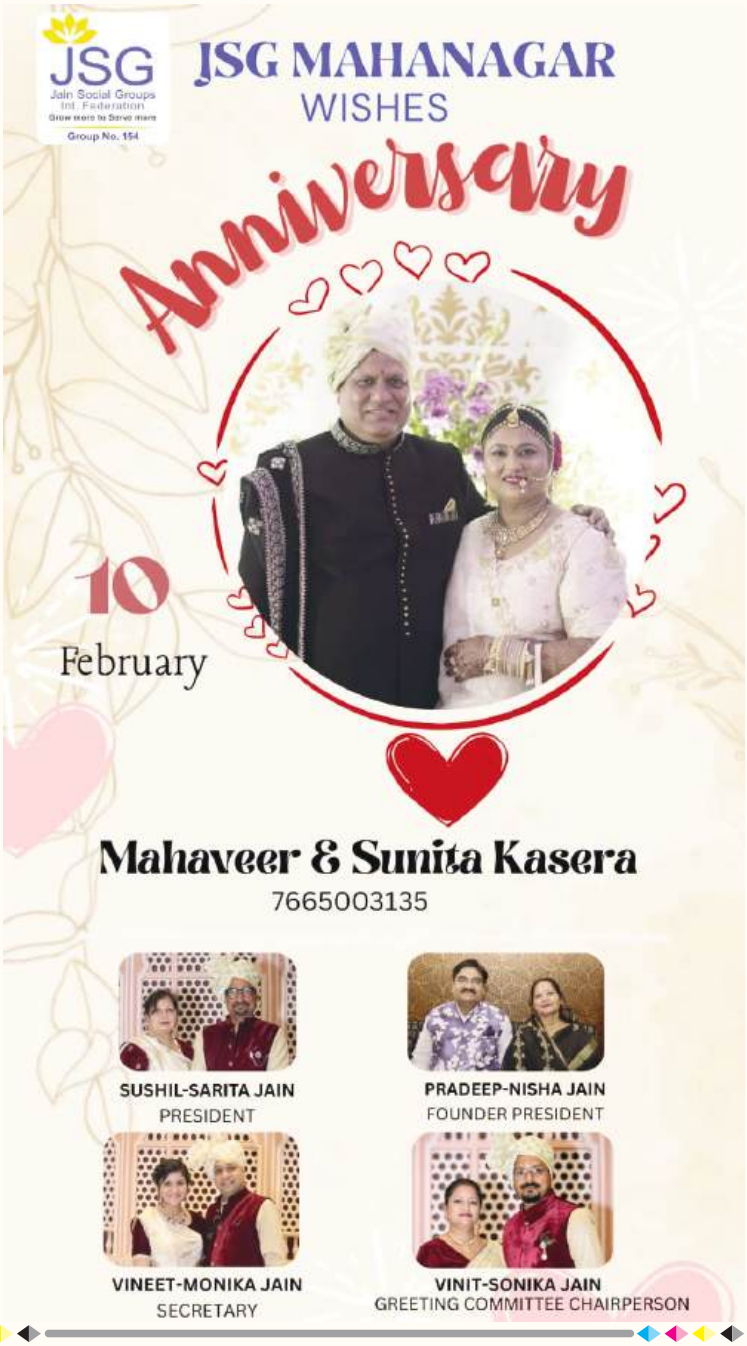

छल और प्रपंच से मिली सफलता स्थायी नहीं होती

नितिन जैन

यह एक कड़वा सत्य है कि आज के दौर में बहुत से लोग सीधे मार्ग पर चलने के बजाय छल, कपट और प्रपंच को ही सफलता की कुंजी मान बैठे हैं। उन्हें लगता है कि झूठ, चालाकी, दबाव और भ्रम फैलाकर वे हर परिस्थिति को अपने पक्ष में मोड़ सकते हैं। कुछ समय के लिए ऐसा संभव भी हो जाता है; सच दब जाता है और असत्य विजयी दिखाई देता है लेकिन यह जीत स्थायी नहीं होती। यह केवल समय की मोहलत होती है, न्याय का अंत नहीं। षड्यंत्र और सत्य का संघर्ष जो व्यक्ति हर कार्य में षड्यंत्र रचता है, वह यह भूल जाता है कि सामने वाला भले ही कमजोर दिखे, लेकिन सत्य स्वयं में सबसे बड़ी शक्ति है। सत्य को पहचान मिलने में भले ही विलंब हो, पर जब वह प्रकट होता है, तो छल के पूरे महल को एक झटके में गिरा देता है। इतिहास, समाज और धर्म—तीनों इस बात के साक्षी हैं कि कपट की नींव पर खड़ी की गई इमारतें अंततः अपने ही भार से ढह जाती हैं। आत्म-धोखा और कर्मफल कपट करने वाला व्यक्ति अक्सर स्वयं को अति-बुद्धिमान समझने की भूल कर बैठता है। उसे लगता है कि उसने सबको मूर्ख बना दिया है, पर वास्तव में वह सबसे पहले स्वयं को ही धोखा देता है। वह अपने विवेक, अपनी आत्मा और अपने मूल्यों को छलता है। जैन दर्शन स्पष्ट कहता है कि 'कर्म' किसी को नहीं छोड़ते। पद, प्रभाव, धन या भीड़—कुछ भी कर्मफल की गति को नहीं रोक सकता। जो बोया जाता है, वही लौटकर आता है; बस समय का अंतर होता है। प्रपंच और एकाकीपन प्रपंच की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह अंततः मनुष्य को अकेला कर देता है। जो व्यक्ति छल से आगे बढ़ता है, उसके चारों ओर लोग डर या स्वार्थ के कारण तो होते हैं, पर विश्वास के कारण नहीं। जैसे ही उसका प्रभाव कम होता है, वही लोग सबसे पहले उससे किनारा कर लेते हैं। इसके विपरीत, जो व्यक्ति सत्यनिष्ठ रहता है, उसकी गति भले धीमी हो, पर उसकी जड़ें बहुत गहरी होती हैं। मौन की शक्ति यह समझना भी आवश्यक है कि यदि सामने वाला चुप है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह हार गया है। कई बार मौन कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का संकेत होता है। सत्य को शोर की आवश्यकता नहीं होती; वह अपनी आभा से स्वयं प्रकाशित होता है। और जब सत्य बोलता है, तब छल की सारी परतें अपने आप उतरने लगती हैं। निष्कर्ष थोड़ी देर की सफलता के लिए अपने चरित्र और आत्मा को गिरवी रखना सबसे बड़ा आत्मघात है। स्थायी सफलता केवल उसी को मिलती है, जो कठिन परिस्थितियों में भी सत्य का साथ नहीं छोड़ता। जीवन में दो ही रास्ते होते हैं—एक छल का, जो तेजी से ऊपर ले जाकर उतनी ही तेजी से नीचे गिराता है; और दूसरा सत्य का, जो धीरे चलता है, पर कभी गिरने नहीं देता। चुनाव हमें स्वयं करना है, क्योंकि परिणाम भी हमें ही भुगतने होंगे।

लेखक: नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल सम्पर्क : 9215635871

श्री चंद्रप्रभु निर्वाण दिवस पर आर्यिका विज्ञाश्री के सान्निध्य में धार्मिक आयोजन

निम्बाहेड़ा. शाबाश इंडिया। श्री चंद्रप्रभु भगवान के निर्वाण दिवस के अवसर पर आदर्श कॉलोनी स्थित शांतिनाथ जिनालय में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में भव्य धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। धर्मसभा को संबोधित करते हुए भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि संयम रूपी सुवासित अमृत पुष्प केवल मनुष्य जीवन में ही खिलता है। चंद्रप्रभु भगवान ने भी मनुष्य भव में सम्मेद शिखरजी जाकर पुरुषार्थ से मोक्ष रूपी अमृत पद प्राप्त किया। निर्वाण महोत्सव पर निर्वाण लाडू अर्पित करने का आध्यात्मिक महत्व इसी शाश्वत सुख की भावना से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जैसे गोल का आदि, मध्य और अंत नहीं होता, वैसे ही सिद्ध भगवान का सुख भी अनादि-अनंत और शाश्वत है। हमें भी उसी शाश्वत सुख की कामना के साथ भगवान के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित करनी चाहिए। धर्मसभा में आर्यिका ज्ञेभ्याश्री, ज्ञापकश्री, ज्ञेयकश्री एवं क्षुल्लिका विज्ञप्तिश्री ने भी प्रवचन दिए। तत्पश्चात विशेष पूजा-अनुष्ठान के साथ श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाए। प्रवक्ता मनोज सोनी ने बताया कि आर्यिका वृंद के सान्निध्य में प्रतिदिन जिन सहस्रनाम मंत्रावली, शांतिधारा, प्रवचन, स्वाध्याय, गुरु भक्ति एवं आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

JAIPUR CHAMPIONS LEAGUE

OVERARM CRICKET TOURNAMENT

7th & 8th March 2026

Venue: Kesar Ground Jaipur

Registration Fees: Rs. 21,000/-

Winners Prize: Rs. 41,000/-

Runners Up: Rs. 31,000/-

For Registrations Contact:

Mr. Nayan Jain - 9828300812

Mr. Gaurav Jain - 9983330980

॥ श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः॥

पद्मपुरा

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026

श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी

एवं

पद्मबल्लभ शिखर कलश - ध्वजारोहण महामहोत्सव

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
पद्मपुरा (बाड़ा) जयपुर, राजस्थान

: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि
पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज
ससंघ

: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ

प्रतिष्ठाचार्य : पं. हँसमुख जी जैन (धरियावद) राज.

: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका
105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी
ससंघ

पधारो पद्मपुरा बाड़ा

जहां धर्म की ज्योति प्रज्ज्वलित होती है

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में इन्द्र एवं अन्य पात्र बनने के लिए सम्पर्क करें।

| सुधीर कुमार जैन 'एडवोकेट' 94140 50432 | हेमन्त सौगानी 'एडवोकेट' 98290 64506 | राजकुमार कोठ्यारी 94140 48432 |

निवेदक

पद्मपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति

अन्तर्गत : प्रबन्ध समिति, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मपुरा (बाड़ा), जयपुर, राजस्थान

सकल दिगम्बर जैन समाज पद्मपुरा एवं जयपुर (राजस्थान)

महोत्सव कार्यालय : एच-24, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302 001 | मोबाईल नम्बर : 94140 48432, 98290 64506
क्षेत्रीय कार्यालय : बाड़ा पदमपुरा जयपुर 303 903 | मोबाईल नम्बर : 90579 03365

पदमपुरा में ऐतिहासिक 'चतुर्विध संघ' समागम: 57 दिगंबर संतों के मिलन से पदमपुरा बना लघु सम्मेद शिखर

जेसीबी से हुई पुष्पवर्षा, 12 वर्ष बाद मिले आचार्य प्रसन्न सागर और आचार्य प्रज्ञा सागर

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

विश्व प्रसिद्ध दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) में सोमवार को अध्यात्म का अनूठा वैभव दृष्टिगोचर हुआ। अवसर था–साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज (16 पिच्छीका) एवं आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज (6 पिच्छीका) के संघों का 12 वर्ष बाद हुआ ऐतिहासिक महामिलन। वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज के पावन सानिध्य में जब चार संघों के 57 संतों का समागम हुआ, तो समूचा क्षेत्र जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

अहिंसा सर्किल पर भव्य अगवानी

चाकसू की ओर से विहार कर आए आचार्य प्रज्ञा सागर एवं बीलवा की ओर से आए आचार्य प्रसन्न सागर का प्रातः 9:30 बजे अहिंसा सर्किल पर मिलन हुआ। इस दृश्य को यादगार बनाने के लिए श्रद्धालुओं ने जेसीबी मशीनों पर चढ़कर गुरुओं पर गुलाब के फूलों की वर्षा की। जुलूस संयोजक योगेश टोडरका के निर्देशन में बैंड-बाजे और लवाजमे के साथ हजारों भक्त झूमते-नाचते मंदिर जी की ओर बढ़े। मार्ग में 108 तोरण द्वारों से संतों का भव्य स्वागत किया गया।

तीन परंपराओं का त्रिवेणी संगम

धर्मसभा में तब दुर्लभ संयोग बना जब मंच पर दिगंबर जैन धर्म की तीन प्रमुख धाराओं के प्रतिनिधि एक साथ विराजे:

प्रथमाचार्य शांति सागर परंपरा: पट्टाचार्य आचार्य वर्धमान सागर जी। आचार्य आदि सागर (अंकलीकर) परंपरा: आचार्य प्रज्ञा सागर एवं आचार्य प्रसन्न सागर जी।

आचार्य शांति सागर 'छाणी' परंपरा: गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी।

प्रज्ञा और प्रसन्नता से ही 'वर्धमान' बनता है जीवन: आचार्य वर्धमान सागर

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य वर्धमान सागर जी ने कहा, साधु का लक्ष्य साधना से प्रसन्नता प्राप्त करना है। जब प्रज्ञा (बुद्धि) बढ़ती है, तभी जीवन आगे बढ़कर 'वर्धमान' (उन्नत) होता है। यही परमात्मा बनने की यात्रा है। उन्होंने भावुक होते हुए बताया कि उन्होंने अपने दादा गुरु आचार्य विमल सागर जी से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लिया था और आज ये सभी संघ साधना के एक ही लक्ष्य पर अग्रसर हैं। आचार्य प्रसन्न सागर ने अपने ब्रह्मचर्य काल के संस्मरण साझा करते हुए क्रांतिकारी संत तरुण सागर जी को याद किया, जिससे सभा में उपस्थित जनसमूह भावुक हो उठा। आचार्य प्रज्ञा सागर ने बताया कि ठीक 12 वर्ष पूर्व दाहोद (गुजरात) में भी भगवान पदमप्रभु के सानिध्य में ही उनका मिलन हुआ था।

विशेष आकर्षण और आगामी कार्यक्रम

अद्भुत आयु अंतरालः संघ में 29 वर्षीय आर्यिका पद्मयश मति माताजी से लेकर 81 वर्षीय मुनि प्रभव सागर जी जैसे तपस्वी संत शामिल हैं।

अष्टमी का उपवासः आज अष्टमी होने के कारण अधिकांश साधुओं के निर्जला उपवास रहे।

पंचकल्याणक महोत्सवः आगामी 18 से 22 फरवरी तक नवनिर्मित खड़गासन चौबीसी का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा। इसमें 125 फीट ऊंचे पद्मबल्लभ शिखर पर कलश व ध्वजारोहण किया जाएगा।

उपस्थितिः इस अवसर पर क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, मानद् मंत्री हेमन्त सोगानी, पंचकल्याणक संयोजक राजकुमार कोठ्यारी, सुरेश सबलावत, विमल पाटनी और विनोद जैन कोटखावदा सहित देशभर से आए हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंच संचालन राकेश सेठी ने किया।

पीठ नगर में दिव्यांग सहायता शिविर संपन्नः 50 से अधिक दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण

बांसवाड़ा (राजस्थान). शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल और भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में पीठ नगर में एक विशाल दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस मानवीय पहल के तहत क्षेत्र के 50 से अधिक दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, कृत्रिम पैर और सुनने की मशीनें प्रदान की गईं। अतिथियों का स्वागत और सम्मान कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्धमान मेहता ने की। समारोह के मुख्य अतिथि प्रधान कारीलाल ननोमा थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवल, सुनील गांग (उदयपुर), पृथ्वीराज जैन (जोन अध्यक्ष, महावीर इंटरनेशनल), नीरव जैन (डूंगरपुर), प्रशासक गंगा देवी डामोर, गोवर्धन डेचिया, अनिल मिश्रा और देवेंद्र पण्ड्या उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का तिलक लगाकर और दुपट्टा ओढ़ाकर भावभीना सम्मान किया गया। 'समर्थ प्रोजेक्ट' के पोस्टर का विमोचन महावीर इंटरनेशनल उदयपुर के चेयरमैन एवं 'समर्थ प्रोजेक्ट' के संयोजक सुनील गांग ने बेरोजगार युवाओं के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा 'समर्थ प्रोजेक्ट' के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। निरंतर सेवा का संकल्प महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष डॉ. निखिल जैन और भारत विकास परिषद के अध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन ने बताया कि संस्था वर्ष भर सेवा कार्यों में सक्रिय रहती है। डॉ. जैन ने जानकारी दी कि जीवन रक्षक किट वितरण, पक्षियों के लिए सकोरे, रक्तदान शिविर, बेबी किट और सेनेटरी नैपकिन वितरण जैसे कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम का सफल संचालन राजेंद्र सिंह झाला ने किया और आभार महेंद्र जैन ने व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में मनोज जैन, पीयूष, दीपक, यतिन, हितेंद्र, प्रफुल्ल लबाना, डायालाल कलाल, परेश भूता, गोपाल पण्ड्या, दत्तेश मेहता, मयंक, विनोद सिंह झाला सहित महिला मंडल की नैना, नीता, छाया, स्मिता, प्रियंका और कोमल आदि सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मनीषी डॉ. श्रेयांसकुमार जैन ''तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मान'' से अलंकृतः संस्कृति मंत्री ने किया सम्मानित

उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान के 35वें स्थापना दिवस पर लखनऊ में हुआ भव्य समारोह

लखनऊ. शाबाश इंडिया

उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान (संस्कृति मंत्रालय) के 35वें स्थापना दिवस एवं अलंकरण समारोह के अवसर पर जैन जगत के सुविख्यात मनीषी एवं अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद् के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांसकुमार जैन (बड़ौत) को प्रतिष्ठित ''तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मान'' से सम्मानित किया गया। सम्मान का स्वरूप समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने डॉ. जैन को एक लाख रुपये की सम्मान निधि, प्रशस्ति पत्र, शाल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अभय कुमार जैन ने की। समारोह में जैन संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले कुल सात विद्वानों को विभिन्न अलंकरणों से नवाजा गया। नैतिकता का मार्ग दिखाते हैं महावीर के विचारः जयवीर सिंह संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा, भगवान महावीर के सिद्धांत और विचार वर्तमान समय में समाज को नैतिकता एवं संयम का मार्ग दिखाते हैं। जैन दर्शन की सेवा करने वाले विद्वान वास्तव में समाज की वैचारिक नींव को मजबूत कर रहे हैं। डॉ. श्रेयांसकुमार जैनः जैन दर्शन के ओजस्वी स्वर उल्लेखनीय है कि डॉ. श्रेयांसकुमार जैन देश के अग्रणी विद्वान और ओजस्वी वक्ता हैं। श्रवणबेलगोला महामस्तकाभिषेक के अवसर पर आयोजित विशाल विद्वत सम्मेलन में उन्होंने सर्वाध्यक्ष के रूप में ऐतिहासिक ख्याति अर्जित की थी। जैन साहित्य और संस्कृति के संवर्धन के लिए उन्हें पूर्व में भी कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। 'तीर्थंकर ऋषभदेव सम्मान' मिलना उनके शैक्षणिक और आध्यात्मिक जीवन का एक और स्वर्णिम अध्याय है। उपस्थिति और शुभकामनाएं इस गौरवपूर्ण अवसर पर संस्थान के निदेशक अमित अग्निहोत्री, संजीव जैन, विकास सेठी सहित अनेक विद्वान और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डॉ. जैन की इस उपलब्धि पर देश भर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं और विद्वत्जनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित की हैं।

अयोध्या में 5 अप्रैल को आयोजित होगा दिगंबर जैन युवा परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन

अयोध्या (उत्तर प्रदेश). शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय अधिवेशन एवं अवार्ड समर्पण समारोह का आयोजन 5 अप्रैल 2026 को अयोध्या में होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने बताया कि यह भव्य समारोह गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व, 4 अप्रैल को पूज्य माताजी का 71वाँ आर्यिका दीक्षा दिवस भी श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि युवा परिषद की स्थापना 1 जनवरी 1977 को आचार्य देशभूषण जी महाराज के सानिध्य में महाराष्ट्र के फलटण नगर में हुई थी। संस्था का मुख्य उद्देश्य श्रमण संस्कृति की रक्षा, वीतरागी गुरु परंपरा का संरक्षण और युवा वर्ग को संगठित कर सामाजिक विकास करना है। वर्तमान में राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में परिषद की शाखाएं सक्रिय हैं। स्थापना काल में श्री जयकुमार काला (अध्यक्ष) एवं प्रो. सुपार्श्वकुमार (महामंत्री) के नेतृत्व में शुरू हुई इस संस्था को स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी जैसे मनीषियों का मार्गदर्शन प्राप्त रहा है। इस अधिवेशन में देश भर के युवा प्रतिनिधि शामिल होकर समाज को नई दिशा प्रदान करेंगे। ₹युवा परिषद की यह स्वर्ण जयंती यात्रा केवल एक संगठन का इतिहास नहीं, बल्कि दिगंबर जैन समाज की युवा शक्ति के वैचारिक जागरण का जीवंत दस्तावेज है। अयोध्या की पावन धरा पर आयोजित होने वाला यह अधिवेशन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक की आर्ष परंपरा को आधुनिक युवा पीढ़ी से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। डॉ. जीवन प्रकाश जैन के अनुसार, वर्तमान डिजिटल युग में जहाँ नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है, वहाँ युवा परिषद अपनी देशव्यापी शाखाओं के माध्यम से व्यसन मुक्ति, शाकाहार प्रचार और जैन तीर्थों के संरक्षण के संकल्प को दोहराएगी।

अजमेर में श्रद्धा के साथ मनाया गया भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

ऐलक क्षीरसागर जी महाराज के सान्निध्य में सोनीनगर जैन मंदिर में चढ़ाया गया निर्वाण लाडू

अजमेर (रोहित जैन)। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के तत्वावधान में मंगलवार को सातवें तीर्थंकर 1008 श्री सुपार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह सोनीनगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में ऐलक 105 श्री क्षीरसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित हुआ। अभिषेक और शांतिधारा से हुआ शुभारंभ महासभा के संभाग महामंत्री कमल गंगवाल एवं संभाग संयोजक संजय कुमार जैन ने बताया कि प्रातः काल भगवान सुपार्श्वनाथ का दुग्धाभिषेक और वृहद शांतिधारा संपन्न हुई। डॉ. राजकुमार गोधा के मुखारबिंद से मंत्रोच्चार के बीच शांतिधारा करने का सौभाग्य अजीत जैन और पारस दोसी परिवारों को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात दिलीप-रंजना दोसी परिवार द्वारा भगवान के चरणों में श्रद्धापूर्वक निर्वाण मोदक (लाडू) अर्पित किया गया। श्रावक के अष्ट मूल गुणों पर प्रकाश इस अवसर पर ऐलक श्री क्षीरसागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचनों में कहा कि मोक्ष की प्राप्ति केवल संयम और साधना से ही संभव है।

दिगंबर जैन महासमिति महिला आंचल की मुरलीपुरा इकाई की मंत्री एवं संगिनी फॉरएवर ग्रुप की कर्मठ कार्यकर्ता

निशा जी पंकज जी

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

शुभेच्छु
शकुंतला जैन बिंदायका अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव
उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष
एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल
एवं समस्त दिगंबर जैन सोशल संगिनी फॉरएवर ग्रुप जयपुर

आरसीपीएल-4 का भव्य आगाज

खिलाड़ियों का ऑक्शन संपन्न, सजीं 12 टीमें

8 पुरुष और 4 महिला टीमें दिखाएँगी दमखम, ट्रॉफी और टी-शर्ट का हुआ अनावरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के बहुप्रतीक्षित क्रिकेट महाकुंभ 'आरसीपीएल सीजन-4' की तैयारियां परवान पर हैं। शनिवार, 7 फरवरी को फोर्ट बैंक्विट में आयोजित एक भव्य समारोह में खिलाड़ियों का ऑक्शन (बोली) कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसी के साथ टूर्नामेंट की चमचमाती ट्रॉफी और आधिकारिक टी-शर्ट का भी विधिवत विमोचन किया गया।

12 टीमों के बीच होगा कड़ा मुकाबला

क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि इस बार टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें 180 सदस्य अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसमें 8 पुरुष और 4 महिला टीमें शामिल हैं। प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन के माध्यम से उनकी क्षमता के आधार पर किया गया है।

टूर्नामेंट का स्वरूप और नियम

सीजन-4 के चेयरमैन प्रमोद जैन ने जानकारी दी कि महावीर स्कूल ग्राउंड पर आयोजित होने वाली इस 'अंडर-आर्म' क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 23 मैच खेले जाएंगे। सभी मैच 8-8 ओवर के होंगे। चीफ को-ऑर्डिनेटर कमल बड़जात्या और संदीप जैन ने बताया कि प्रत्येक टीम को 3 लीग मैच खेलने का मौका मिलेगा, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे।

महिला एवं पुरुष टीमें

महिला वर्ग: नीना चैंपियन, कोगटा परफॉर्मर्स, ओम कृष्णम फाइटर्स और सिटीजन स्ट्राइकर्स।

पुरुष वर्ग: बी एंड टी हिटर्स, निरकॉन नाइट राइडर्स, एसजी लीजेंड्स, एल.एस. चैलेंजर्स, निविक सूर्या रेंजर्स, सिटिवाइब्स वॉरियर्स, रोटरी हीरोज और गंगवाल बस्टर्स।

पुरस्कारों की बौछार क्लब कोषाध्यक्ष अजय जैन ने बताया कि विजेता टीमों को आकर्षक उपहारों के साथ-साथ व्यक्तिगत श्रेणियों में भी पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें 'मैन ऑफ द मैच' के अतिरिक्त बेस्ट फील्डर, बॉलर, बैट्समैन, फास्ट हाफ सेंचुरी और विकेट हैट्रिक जैसे विशेष पुरस्कार शामिल हैं।

एकता और सौहार्द का मंच

को-चेयरमैन दिनेश जैन बज और सचिव आशीष बैद ने बताया कि ऑक्शन के दौरान सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिला। रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने कहा कि आरसीपीएल न केवल एक खेल है, बल्कि यह सदस्यों के बीच आपसी सौहार्द और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है। खिलाड़ियों का अभ्यास सत्र कल से शुरू हो जाएगा।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ की निम्बाहेड़ा में जिनदर्शन यात्रा

निम्बाहेड़ा. शाबाश इंडिया

श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, निम्बाहेड़ा में विराजमान भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ द्वारा प्रातःकाल जिनदर्शन यात्रा निकाली गई। अध्यक्ष अशोक गदिया एवं महामंत्री वी.के. जैन ने बताया कि पंचरंगी ध्वजा के साथ बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं यात्रा में शामिल हुए। आर्यिका संघ ने श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन कर संत भवन पहुंचकर मंगल प्रवचन प्रारंभ किए। प्रवचन में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने जीवन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव जीवन अमूल्य है। इसे संयम और साधना से ही सार्थक बनाया जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन को उत्कृष्ट बनाने के लिए आत्मसंयम की आवश्यकता है, अन्यथा मनुष्य मोह-माया में उलझकर अपने वास्तविक उद्देश्य से भटक जाता है। प्रवचन उपरांत आहारचर्या मंदिर परिसर में संपन्न हुई। महामंत्री वी.के. जैन ने जानकारी दी कि सायं 6:30 बजे आनंद यात्रा एवं आरती का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

महावीर इंटरनेशनल के प्रोजेक्ट समर्थ से युवाओं को मिलेगा निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया। कस्बे के पारस हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर के सभागार में महावीर इंटरनेशनल के ''प्रोजेक्ट समर्थ'' पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कौशल विकास के लिए ऐतिहासिक एमओयू कार्यशाला के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय निदेशक (शिक्षण एवं प्रशिक्षण) वीर सुनील गांग ने बताया कि युवा शक्ति के उत्थान के लिए एमआई अपेक्स और एसएनएस फाउंडेशन, गुरुग्राम के बीच एक विशेष समझौता हुआ है। इस योजना के तहत युवाओं को बेसिक शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की मुख्य विशेषताएं: **कोर्स:** इलेक्ट्रीशियन, प्लंबिंग, टेलीकॉलिंग एवं टू-व्हीलर रिपेयरिंग। **अवधि:** 3 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण। **सुविधाएं:** प्रशिक्षण के दौरान युवाओं के लिए आवास (छात्रावास), भोजन और पाठ्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। **व्यय:** केवल प्रशिक्षण केंद्र (गुरुग्राम) तक आने-जाने का यात्रा व्यय अभ्यर्थी को स्वयं वहन करना होगा, जबकि 'टोकन मनी' का भुगतान संबंधित महावीर इंटरनेशनल केंद्र द्वारा किया जाएगा। अधिकतम भागीदारी का आह्वान कार्यशाला की अध्यक्षता महावीर इंटरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष (उदयपुर) वर्धमान मेहता ने की। मुख्य अतिथि सुनील गांग ने खेरवाड़ा क्षेत्र के पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक पात्र युवाओं की पहचान करें ताकि उन्हें इस निशुल्क योजना का लाभ मिल सके। ये रहे उपस्थित समारोह में केंद्र के संरक्षक दिनेश जैन, सचिव जितेंद्र जैन, उपाध्यक्ष पुष्कर पंचोली, संयुक्त सचिव दिलीप जैन, पूर्व अध्यक्ष बसंत कोठारी व हेमचंद लबाना, कोषाध्यक्ष अल्पेश जैन, अर्जुन लाल पंचाल और मुकेश पंचोली सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

शोक-संदेश (तीये की बैठक)

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय

श्री कमल कुमार जी पाटोदी

सुपुत्र (स्व. श्री नाथूलाल जी पाटोदी) का स्वर्गवास दिनांक 09 फरवरी 2026 सोमवार को हो गया है जिनके तीये की बैठक 11 फरवरी 2026, बुधवार को सुबह 9:30 बजे श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर दुर्गापुरा में रखी गयी है।

शोकाकुल

भाई: शांतिलाल, महावीर, मोतीलाल, माणक

बेटी जवाई : राजश्री (वीणा) - पुखराज गंगवाल दिल्ली

पुत्र पुत्रवधू : विवेक - कविता, राहुल -सुनीता, अंकित- स्वाति

भतीजा : राजेश, संजय , विकास , विनीत, विशाल , रोहित , रोमित , विपुल एवं समस्त पाटोदी परिवार (डिब्रूगढ़ वाले) सीकर एवं जयपुर

ससुराल पक्ष- श्री बालचंद महावीर प्रसाद पहाड़िया (जिजोठ वाले) , सीकर, सूरत,नलबाड़ी

9414332312 , 9799135786, 9782164333